

उभरते बाज़ारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के ऋण में बढ़ोत्तरी

प्रलम्ब के लिये :

संप्रभु ऋण, बाह्य वाणज्यिक ऋण ।

मेन्स के लिये :

ऋण संकट में योगदान करने वाले कारक, देशों पर संप्रभु ऋण का प्रभाव ।

चर्चा में क्यों?

ग्रीन एंड इनकलूसिव रिकवरी (DRGR) परियोजना हेतु ऋण राहत रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाज़ारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (EDME) का संप्रभु ऋण वर्ष 2008 से 2021 के बीच 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से 178% बढ़कर 3.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो कि [ग्लोबल साउथ](#) में बढ़ते ऋण संकट का संकेत है ।

- ऋण राहत प्रदान करने हेतु बनाए गए **G20** के "कॉमन फ्रेमवर्क" में तुरंत पहचानी गई हैं, क्योंकि यह नज़ी और वाणज्यिक लेनदारों सहित सभी लेनदारों को पटल पर लाने तथा ऋण राहत को विकास एवं जलवायु लक्ष्यों से जोड़ने में वफिल रहा है ।

नोट: उभरती हुई बाज़ार अर्थव्यवस्था एक विकासशील राष्ट्र की अर्थव्यवस्था है जो वैश्विक बाज़ारों के साथ बढ़ती जा रही है। उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं के रूप में वर्गीकृत देशों में भारत, मैक्सिको, रूस, पाकिस्तान, सऊदी अरब, चीन और ब्राज़ील जैसे विकासित बाज़ार की कुछ विशेषताएँ (लेकिन सभी नहीं) शामिल हैं ।

ऋण संकट के कारक और प्रभाव:

- EDME नमिन कारणों से कमजोर आर्थिक विकास का अनुभव कर रहे हैं:
 - [कोविड-19 महामारी](#) से धीमी रिकवरी,
 - खाद्यान और ऊर्जा की उच्च कीमतें, और
 - [रूस-युक्रेन संघर्ष](#)
 - बढ़ते जलवायु प्रभाव
 - मज़बूत होता अमेरिकी डॉलर और कई EMDE के मुद्राओं का मूल्यह्रास
- कमजोर देशों पर प्रभाव:
 - जलवायु परिवर्तन की चपेट में आने वाले देश सबसे महत्वपूर्ण ऋण संकट का सामना करते हैं ।
 - उच्च ऋण सेवा भुगतान से देशों को ऋण चुकाने के लिये अपने वदेशी भंडार के प्रमुख हिस्से को खर्च करना होता है ।
 - EDME को तत्काल ऋण राहत प्रदान करने से उनके ऋण भार में कमी होने के साथ इन्हें कम कार्बन उत्सर्जन एवं सामाजिक रूप से समावेशी भवषिय को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी ।

प्रस्तावति समाधान:

- इस रिपोर्ट में कॉमन फ्रेमवर्क में सुधार पर बल देने के साथ इस मुद्दे को हल करने हेतु तीन स्तंभों को प्रस्तावति किया गया है ।
 - पहले स्तंभ के रूप में किसी संकटग्रस्त देश को ऋण स्थिरता प्राप्त करने हेतु प्रेरति करने और विकास तथा जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में इसकी मदद करने के लिये सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा ऋण में महत्वपूर्ण कटौती किया जाना शामिल है ।
 - दूसरे स्तंभ के रूप में नज़ी और वाणज्यिक ऋणदाताओं द्वारा सार्वजनिक ऋणदाताओं की तरह ही ऋण में कटौती किया जाना शामिल है ।

- शेष ऋण के लिये, सरकार को नज्दी लेनदारों हेतु एक प्रत्याभूत नधि द्वारा समर्थति नए बॉण्ड जारी करने चाहयि ।
- अंतमि स्तंभ उन देशों के लयि है जो ऋण संकट के ज़ोखमि के अंतरगत नहीं आते हैं और जनिहें अंतरराष्ट्रीय वत्ततीय संस्थानऋण प्रदान कर सकते हैं ।
- ऋण पुनर्संरचना: रपिर्त के अनुसार 61 देश जो ऋण संकट के उच्च ज़ोखमि में हैं, उन्हें 812 बलियिन अमेरकी डॉलर के ऋण को पुनर्गठति करने की आवश्यकता है ।
 - इसमें यह भी बताया गया है 55 सबसे अधकि ऋणग्रस्त देशों के लयि अगले पाँच वर्षों में कम से कम 30 बलियिन अमेरकी डॉलर का ऋण नलिंबति कर दयि जाना चाहयि ।

G20 कॉमन फ्रेमवर्क:

- ऋण सेवा नलिंबन पहल (Debt Service Suspension Initiative- DSSI) से परे ऋण उपचार हेतु कॉमन फ्रेमवर्क वर्ष 2020 में G20 द्वारा समर्थति एक पहल है, जसिमें [पेरसि क्लब](#) भी शामिल है, जो संरचनात्मक तरीके से अस्थरि ऋण तथा कम आय वाले देशों का समर्थन करता है ।
- फ्रेमवर्क का उद्देश्य कम आय वाले देशों (LIC) की ऋण भेद्यता को दूर करने हेतु एक समन्वति और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना है, जो कऱ सबसे गंभीर ऋण चुनौतयिों का सामना कर रहे हैं तथा जो **कोवडि-19 महामारी** के कारण और अधकि गंभीर हो गई है ।

नोट: DRGR प्रोजेक्ट बोस्टन यूनिवर्सिटी ग्लोबल डेवलपमेंट पॉलिसी सेंटर, हेनरकि-बॉल-स्टफिटिंग और लंदन के SOAS यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सस्टेनेबल फाइनेंस के बीच एक सहयोग है ।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/debt-of-emerging-markets-developing-economies-rose>

